IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Engineering, Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C1122945

आदिवासी शिक्षा के विकास कार्यक्रमो का एक अध्ययन

LAXMI KUMARI BHAGAT

Research Scholar, Department of Education,
Sri Satya Sai University of Technology & Medical Sciences, Sehore, M.P.

सारांश

आदिवासी कल्याण विभाग की शिक्षा के तहत दिन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम आवासीय सेवाश्रम और आश्रम स्कूल जैसे विभिन्न स्कूलों की निरंतरता और उन्नयन हैं। ये स्कूल विशेष रूप से आदिवासी बच्चों के लिए हैं। ये विद्यालय अधिकतर संकेंद्रित आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं। सरकार आदिवासी छात्रों के शैक्षिक विकास के लिए आवासीय विद्यालयों में भोजन और छात्रवृत्ति, पाठ्यपुस्तकें, लेखन सामग्री, जैसे कागज, कलम, पेंसिल, स्लेट आदि वस्त्र और भोजन सहित सभी बुनियादी जरूरतों को प्रदान कर रही है। सामान्य स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों को भी छात्रवृत्ति मिल रही है। अनुसूचित जनजाति के शिक्षित युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए राज्य में परीक्षा पूर्व कोचिंग का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना के तहत अनुसूचित जनजाति के छात्रों को लाभान्वित किया गया है। पूर्वी सिंहभूम जिले (झारखंड) के लिए अनिवार्य शिक्षा के लिए कानून पारित किया गया है और यह उदारतापूर्वक धन आवंटित करता है। पांचवीं योजना में भारी धनराशि आवंटित की गई है। बल्कि पाँचवीं योजना ष्प्राथमिक शिक्षा उन्मुखष् योजना है जिसने स्थानीय उद्यम / निजी निकायों को कमजोर वर्ग के बीच शिक्षा के प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया। लगभग 1500 प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक शिक्षण को मजबूत करने के लिए योजना के तीसरे और पांचवें वर्ष में विभिन्न राज्यों की राजधानियों में राज्य शिक्षा संस्थान अस्तित्व में आया है।